



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51]
No. 51]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 23, 2006/चैत्र 2, 1928

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 23, 2006/CHAITRA 2, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2006

जांच-प्रारंभ

विषय: स्विट्जरलैंड तथा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन ए पालमिटेट के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच का प्रारंभ

सं0 14/11/2005-डीजीएडी - वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

जबकि मै0 निकोलस पिरामल इंडिया लि�0 (जिसे इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष अधिनियम, 1975 और उसकी नियमावली के अनुसार एक आवेदन-पत्र दर्ज कराया है जिसमें स्विट्जरलैंड तथा चीन जनवादी गणराज्य (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन ए पालमिटेट (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और अनुरोध किया गया है कि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बारे में पाटनरोधी जांच प्रारंभ की जाए।

और जबकि प्राधिकारी यह पाता है कि सम्बद्ध देशों/क्षेत्र से सम्बद्ध माल के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में

पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं, इसलिए प्राधिकारी उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार, पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के बारे में एतद्वारा जांच प्रारंभ करता है जिससे इस बात का निर्धारण हो सके कि तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा प्रभाव कितना रहा है और यह सिफारिश की जा सके कि क्या पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि लगाई जाती है, तो क्या वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए पर्याप्त होगी, लगाई जाए ।

2. विचाराधीन उत्पाद

मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद विटामिन ए पालमिटेट शामिल है । विटामिन ए पालमिटेट विभिन्न शक्तिवर्द्धक औषधियों जैसे विटामिन ए पालमिटेट 1.7, और विटामिन ए पालमिटेट 1.0 के रूप में उपलब्ध होता है । भारत में विटामिन ए पालमिटेट 1.7 का पाटन स्विट्जरलैंड और चीन जनवादी गणराज्य से किया जा रहा है । इन दोनों उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया, वास्तविक और रासायनिक विशेषताएं एक समान हैं और ये उत्पाद एकदूसरे के स्थानापन्न हैं और उनका एक दूसरे के लिए परस्हैपर प्रयोग होता है । चूंकि विभिन्न शक्तिवर्द्धक औषधियों के विटामिन ए पालमिटेट का एक जैसा प्रयोग होता है, अतः वर्तमान जांच में विटामिन ए पालमिटेट 1.7, और विटामिन ए पालमिटेट 1.0 (जिन्हें इसके बाद "संबद्ध माल कहा गया है") की विभिन्न शक्तिवर्द्धक औषधियों और रूपों को कवर किया गया है । इस उत्पाद का वर्गीकरण उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अध्याय 29 के शीर्ष सं 293621.00 और आईटीसी एचएस वर्गीकरण के तहत किया गया है । किंतु, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और उसकी मौजूदा जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार कोई बाध्यता नहीं है ।

3. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

यह आवेदन-पत्र मै 0 निकोलस पिरामिल इंडिया लि 0 द्वारा दायर किया गया है । यह आवेदक भारत में संबद्ध माल का एकमात्र उत्पादक है । अतः, याचिकाकर्ता का भारत में संबद्ध माल के उत्पादन का संपूर्ण हिस्सा होता है और वह उक्त नियमावली के आशय के भीतर घरेलू उद्योग है ।

4. समान वस्तु

यह नोट किया जाता है कि विटामिन ए पालमिटेट का उत्पादन विभिन्न शक्तिवर्द्धक औषधिकयों अर्थात् विटामिन ए पालमिटेट 1.7 और विटामिन ए पालमिटेट 1.0 एमआईयू/जी के रूप में किया जाता है जिसे संबद्ध माल की अपेक्षाकृत अधिक अथवा कम शक्ति पर निर्भर रहते हुए आनुपातिक दृष्टि से बढ़ाया अथवा घटाया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए बेचे गए उत्पाद तथा संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है। इन उत्पादों का प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा और व्यापारियों द्वारा अन्य उद्योगों को सप्लाई के लिए प्रत्यक्ष आयात किया जा रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित उत्पाद चूंकि सभी आवश्यक विशेषताओं की दृष्टि से एकसमान हैं, अतः उन्हें उक्त नियमावली के अनुसार इस आशय के भीतर समान वस्तुओं के रूप में माना जाता है।

5. सामान्य मूल्य

स्विट्जरलैंड में संबद्ध माल के कारखानागत सामान्य मूल्य का अनुमान संबद्ध माल की विक्री कीमत संबंधी जानकारी के आधार पर लगाया गया है जैसाकि घरेलू उद्योग को यह यथोचित दृष्टि से उपलब्ध होती है।

चीन जनवादी गणराज्य के मामले में आवेदक ने दावा किया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और उसे उक्त नियमावली के अनुसार ऐसा ही मान लिया जाए बशर्ते कि यथासंशोधित पाटनरोधी नियमाली के अनुबंध-I के पैरा 7 तथा 8 के अनुसार इस संबंध में कोई खंडन अथवा कोई पूर्व कल्पना नहीं हो। घरेलू उद्योग ने यह भी सुझाव दिया है कि यूरोपीय संघ को चीन के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में मान लिया जाए। गैर बाजार अर्थव्यवस्था के दावे के मद्देनजर प्राधिकारी ने यथासंशोधित उक्त नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार, संबद्ध माल की विनिर्माण लागत पर आधारित परिकल्पित सामान्य मूल्य को प्रत्यक्ष रूप से माना है। किंतु, अलग-अलग निर्यातिक इस पूर्व कल्पना का खंडन कर सकते हैं और गैर-बाजार प्रश्नावली के संबंध में अपने-अपने प्रत्युत्तर दर्ज करा सकते हैं।

6. निर्यात कीमत

संबद्ध माल की निर्यात कीमत का आकलन डीजीसीआईएंडएस तथा अन्य गौण स्रोतों से संग्रहित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन निर्यातक देशों/क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन, पत्तन सुपर्दगी एवं पत्तन प्रभारों के संबंध में समायोजन किए गए हैं जिससे कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत का आकलन किया जा सके।

7. पाटन मार्जिन

इस बात का पर्याप्त साक्ष्य मिला है कि संबद्ध देशों में संबद्ध माल के सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमतों की तुलना में काफी अधिक हैं जिससे इस बात का प्रत्यक्ष रूप से संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध माल का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में क्षति संबंधी विभिन्न मापकों की जानकारी प्रस्तुत की है। संपूर्णता एवं इन उत्पादों की मांग के संबंध में आयात मात्रा में वृद्धि, बाजार हिस्से में हानि, कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री कीमत, कीमत मंदी, संबद्ध माल के विनिर्माण में लाभप्रदता तथा नकद हानि प्रत्यक्ष रूप से यह इंगित करते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की वजह से वास्तविक क्षति हुई है।

घरेलू उद्योग ने यह भी दावा किया है कि संबद्ध देशों में संबद्ध माल की काफी डिस्पोजेबल क्षमता विद्यमान है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध माल के पाटित आयात में काफी वृद्धि रही है जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने की प्रमुख आशंका इंगित होती है।

9. प्रक्रिया

- (क) **शामिल देश/क्षेत्र:** मौजूदा जांच में शामिल देश तथा क्षेत्र चीन जन.गण. तथा स्विटजरलैंड हैं।
- (ख) **जांच अवधि(पीओआई)** - मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि(पीओआई) दिनांक 1.4.2004 से 31.9.2005 तक की है। किंतु क्षति जांच अवधि में वर्ष 2000-01 से 2003-04 और जांच अवधि कवर होगी।

(ग) जानकारी की प्रस्तुति

संबद्ध देशों के निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावासों की मार्फत उनकी सरकारों, भारत के संबंधित ज्ञात आयातकों तथा प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग से अनुरोध किया जाता है कि वे निर्धारित रूप तथा तरीके में संगत जानकारी और अपने-अपने विचार निम्नलिखित पते पर प्रस्तुत कर दें-

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार,
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011.

कोई अन्य इच्छुक पक्षकार भी नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर निर्धारित रूप तथा तरीके में इस जांच के संगत अपने-अपने निवेदन कर सकेगा।

घ) **समय-सीमा:** मौजूदा जांच संबंधी कोई भी जानकारी लिखित रूप में दी जाए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर पहुंच जानी चाहिए। किन्तु ऐसे ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों, जिन्हें अलग से भी लिखा जा रहा है, से अपेक्षा है कि वे उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर जानकारी प्रस्तुत कर दें।

ड.) **अगोपनीय आधार पर जानकारी प्रस्तुत करना:** उक्त नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार इच्छुक पक्षकारों से अपेक्षा है कि वे प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी भी गोपनीय जानकारी का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करें और यदि पक्षकार की राय में ऐसी जानकारी देना, उसका सारांश देना उपयुक्त न हो, तो ऐसी स्थिति में उसके कारण का एक विवरण-पत्र देना आवश्यक होगा। यदि कोई इच्छुक पक्षकार आवश्यक जानकारी यथोचित समयावधि के भीतर देने की मनाही करता है अथवा अन्यथा उसे प्रदान नहीं करता है अथवा जांच में ज्यादा अवरोध पैदा करता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच-परिणाम दे देगा और वह केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकेगा, जैसाकि वह उचित समझे।

च) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण: कोई भी इच्छुक पक्षकार नियम 6(7) के अनुसार अन्य इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकेगा।

क्रिस्टी एल. फेन्निंग, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd March, 2006

Initiation

Subject: Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Vitamin A Palmitate originating in or exported from Switzerland and China PR

No. 14/11/2005-DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules).

WHEREAS M/s Nicolas Piramal India Ltd. (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, 1975 and Rules, alleging dumping of Vitamin A Palmitate (herein after referred to as subject good), originating in or exported from Switzerland and China PR (herein after referred to as subject countries/territories) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of the subject goods from the subject countries/territory, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. Product under Consideration

The product involved in the current investigation is Vitamin A Palmitate. Vitamin A Palmitate is available in various strengths viz. Vitamin A Palmitate 1.7, and Vitamin A Palmitate 1.0. Vitamin A Palmitate 1.7 is being dumped in India from People's

Republic of China and Switzerland. The production process, physical and chemical characteristics of both the products are similar and the products are substitutable and can be interchangeably used. Since Vitamin A Palmitate of various strengths have the same end use, the present investigations shall cover Vitamin A Palmitate 1.7, and Vitamin A Palmitate 1.0 (herein after termed as the "subject goods") in all its strengths and forms. The product is classified under heading No. 293621.00 in Chapter 29 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act and ITC HS Classification. This classification however, is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

3. Domestic industry and Standing

The application has been filed by M/s Nicolas Piramal India Ltd. The applicant is the sole producer of subject goods in India. The petitioner, therefore, accounts for complete production of subject goods in India and constitute domestic industry within the meaning of the Rules

4. Like article

It is noted that Vitamin A Palmitate is produced in various strengths viz. Vitamin A Palmitate 1.7, and Vitamin A Palmitate 1.0. MIU/g, which can be increased, or decreased proportionately depending upon the higher or lower strength of subject goods. The petitioner has submitted that there is no difference in the products produced and sold by the domestic industry and imported from subject Countries. The products are being directly imported by the user industries and also by traders for supply to other industries. The consumers are using the domestic and corresponding import products interchangeably. The products produced by the domestic industry and imported from subject Countries/territories being identical in all essential characteristics are treated as like articles within the meaning of the term as per the Rules.

5. Normal value

The ex-works normal value of the subject goods in Switzerland has been estimated based on the information on selling price of the subject goods as is reasonably available to the domestic industry.

In case of China PR, the applicant has claimed that China is a non-market economy country and should be treated so in terms of the Rules, subject to rebuttal of presumption, in terms Paragraph 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules, as amended. The domestic industry has also suggested that the European Union should be considered as the appropriate market economy third country for the purpose of determination of normal value in China. In view of the Non-market economy claim, the Authority has, *prima facie*, considered the Constructed Normal Value based on cost of manufacturing the subject goods in terms of Para 7 & 8 of

the Annexure 1 to the said Rules as amended. However, individual exporters may rebut this presumption and file their responses to the non-market questionnaire.

6. Export price

The export price of the subject goods has been estimated on the basis of data collected from DGCI&S and other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the Countries/territories of export, port handling and port charges have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

7. Dumping margin

There is sufficient evidence that Normal Values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject countries/territories.

8. Injury and causal link

Petitioners have furnished information on various parameters relating to injury on account of the product under consideration. Parameters, such as increase in volume of imports both in absolute terms and in relation to the demand of the products, loss in market share, price undercutting and under-selling, Price depression, profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods, prima-facie indicate that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumped imports from the subject countries.

The domestic industry has also claimed that there is a large disposable capacity of the subject goods in the subject countries and there has been significant increase in dumped import of the subject goods from the subject countries during the period under investigation indicating major threat of material injury to the domestic industry.

9. Procedure

a) Countries/territories involved The Countries/territories involved in the present investigation are the Peoples Republic of China and Switzerland.

b) Period of investigation (POI): The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.4.2004 to 30.9.2005**. The injury investigation period will however, cover the period 2000-01 to 2003-04 and the POI.

c) Submission of information: The exporters in the subject Countries, their governments through their embassies in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Ministry of Commerce and Industry
Government of India
Udyog Bhavan
New Delhi-110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

d) Time limit: Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than **forty (40) days** from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within **(40) forty days** from the date of the letter addressed to them.

e) Submission of information on Non-confidential basis: In terms of Rule 6(7), of the Rules the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summary, a statement of reason thereof is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

f) Inspection of public file: Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties in terms of Rule 6 (7).

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

894 G5/6/6